IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, April 2022
Impact Factor: 6.252

कोल जनजातियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का एक अध्ययन (सीधी नगर के विशेष सन्दर्भ में)

Dr. Madhulika Shrivastava[1] and Preeti Satnami[2]
Professor, Department of Sociology[1]
Research Scholar, Department of Sociology[2]
Government Thakur Ranmat Singh College, Rewa, Madhya Pradesh, India

Abstract: आदिवासी हमारी ही तरह प्रकृति के अनुपम उपहार है। वह हमारे ही समाज के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष अंग है। वह तथाकथित सभ्य कहें जाने वाली जातियों से अधिक सभ्य है। आदिवासी समाज में देश–प्रेम, जाति प्रेम और संस्कृति प्रेम कूट–कूट कर भरा होता है। इतिहास साक्षी है कि अपनी संस्कृति की रक्षा के लिये और अपनी स्वाधीनता के लिये इस समाज ने अनेक युद्ध किये हैं। छल, कपट से दूर सीधे–सरल स्वभाव से ओत–प्रोत एवं आपस में भाई–चारे की भावना तथा अपनेपन की भावना से ओत–प्रोत होते है। आदिवासी समाज आज भी प्रकृति के उर्पाजनों यथा–जल, जंगल, जमीन की अस्मिता के लिये प्रण–प्राण से न्यौछावर है। सांस्कृतिक सभ्यता उनकी अनमोल धरोहर है और उनकी भाषा में उनका जीवन बसता है, इस प्रकार आदिवासी कहने में एक ऐसे परिवार या समूह का बोध होता है, जिसकी स्वयं की भाषा, संस्कृति एवं एक सुनिश्चित भू–भाग होता है, जिसमें वे परम्परागत विधि–विधानों से परिपूर्ण स्वतंत्र सुरक्षात्मक संगठन के जरिये अपने समाज का संचालन करने में समर्थ होते हैं।

Keywords: आदिवासी, समाज, संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, आर्थिक स्थिति आदि।

संदर्भ–ग्रन्थ सूची:

[1]. डॉ. तिवारी शिव कुमार –(1984) मध्यप्रदेश के आदिवासी।
[2]. डॉ. ए.पी. सिंह –(1988) म.प्र. की जनजातियों पर विकास योजनाओं का प्रभाव ।
[3]. डेविस किंग्सले –(1973) 'मानव समाज' किताब महल इलाहाबाद।
[4]. ग्रीन ए. डब्ल्यू.– 'सोसियोलॉजी' ।
[5]. वेनवर्ग और शेबेल उद्घृत डॉ. वात्सायन (1971) ''सामाजिक संरचना प्रौद्योगिकी केदारनाथ, रामनाथ, मेरठ
[6]. आनन्द सी.एल. मार्डनाइजेशन एण्ड ट्रेडीशन इन नागर दबे पी.आर., पी.एन. एण्ड अरोरा कमला, द टीचर एण्ड एजुकेशन इन ऐमैजिन इण्डियन सोसायटी, पृ.क्र. 61
[7]. मैकाइवर, आर.एम. एण्ड पेज–(1953) सी.एच. सोसायटी दि मैकमिलन क.लि. लन्दन।
[8]. जेन्सन–एम.डी. टून्टोडक्सन टू सोसियोलॉजी एण्ड सोसल प्रवलम्बस।
[9]. गिन्सवर्ग मोरिस –(1958) सोशल जोन ब्रिटिस जनरल ऑफ सोसियोलॉजी
[10]. डॉ. मजुमदार एवं मदन –(1761) सामाजिक समाजशास्त्र।
[11]. डॉ. तिवारी शिव कुमार –(1997) मध्यप्रदेश की जनजातियाँ ग्रन्थ अकादमी।